बाबा मुक्तानन्द की सिखावनी

३

तत्त्वज्ञानी, महायोगी, समदर्शी ज्ञानी, सत्संग करके प्रशान्त हो जाते हैं। ऐसे महापुरुषों को अभिमान छोड़कर चला गया है। सत्संग के फलस्वरूप उन्होंने अपने सब पाप धो डाले हैं और सत्संग में कहे गए महावाक्यों को सुनकर उन्होंने हमेशा के लिए अपने सभी संशय मिटा दिए हैं। जब सत्संग में तुम्हारी श्रद्धा बढ़ जाएगी तब मोक्ष तुम्हें ढूँढ़ता हुआ स्वयं आएगा।

~ बाबा मुक्तानन्द

स्वामी मुक्तानन्द, गुरुतत्त्व-सार [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, १९९९] पृ. ८७

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।